>

Title: Need to address the problems being faced by the farmers in the country.

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** सभापति महोदय, मैं श्री देवेगौड़ा जी की बात का भरपूर समर्थन करता हूं। सदन के इस सत्र में और पिछले सत्र में भी कुछ ऐसे हालात बने कि लैंड एक्युजिशन बिल और किसानों की दुर्दशा का सवाल नहीं आ पा रहा है। मैं इसी सवाल पर खड़ा हुआ हूं। सरकार मिनिमम सपोर्ट प्राइस घोषित करती है। सरकार खाद पर सब्सिडी देने का काम करती है। लेकिन हालात क्या हैं, आज डीएपी खाद की कीमत 960 रुपये यानी डबल हो गई है। पहले यह चार सौ रुपये थी और आज 960 रुपये हो गई है। यूरिया का भी यही हाल है। यानी कीमत 290 रुपये थी, लेकिन आज यह ब्लैक हो रही है, महंगी बिक रही है, नकली मिल रही है। इन सारी दिक्कतों के बावजूद देश के लोगों ने भरपूर फसल उगाई है, भरपूर उत्पादन किया है। आपने मिनिमम सपोर्ट प्राइस भी घोषित किया है। आपने धान का एमएसपी 1050 रुपये घोषित किया है। लेकिन इसकी खरीद कहां-कहां हो रही है, जिन इलाकों में पानी है, आसपास के इलाके हैं, वहां इसकी खरीद हो रही है। थोड़ी बहुत पंजाब, हरियाणा में हो रही है, लेकिन वह भी बहुत बुरी हालत में है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Hon. Members, please do not disturb him. No prompting please.

**श्री शरद यादव :** ये सारे किसान लोग हैं, मुझसे ज्यादा इन्हें दिक्कत और तकलीफ है, क्योंकि ये गांव-गांव से आते हैं। देश भर में आपने सर्व शिक्षा अभियान घोषित कर दिया। गजब सरकार है। अभी एक और बिल आने वाला है, फूड सिक्योरिटी बिल। कह रहे हैं कि हमने गरीबों के लिए मनरेगा शुरू की है। ये मिनिमन सपोर्ट प्राईस, इतने दिनों से हिंदुस्तान के किसानों के साथ इस तरह का घात है। ऐसी मुश्किल है कि उसे पता चल जाता है कि धान का दाम 1050 रूपया है और वह जाता है 1150 रूपया है। वह जब जाता है तो 600-700 रूपये, बिहार में तो और बुरी हालत है, उत्तर प्रदेश में और बुरी हालत है, मध्य प्रदेश में उससे बुरी हालत है, बंगाल में उससे भी बुरी हालत है। अरे भाई, अच्छा पाखण्ड है, यह अजीब पाखण्ड है। शरद पवार जी चले गए हैं, क्या वह जानते हैं कि कपास और गन्ने के किसान जो कैश क्रॉप वाले हैं उनकी क्या हालत हैं? आलू की क्या हालत हैं? आलू छाती पर रखने के लिए एक समस्या हो गई है। आलू रखे कहां, यह समस्या हो गई है। खेत में डालें कहां, यह समस्या हो गई है। मतलब कि कैश क्रॉप का भी बुरा हाल है। किसान सोचता है कि कैश क्रॉप से थोड़ी बहुत जिंदगी चल जाएगी लेकिन वह भी बुरी हालत में है। आपने बाजरे के 960 रूपये घोषित किए हैं। अभी मैं जयपुर से आया हूँ, वहां 600-700 रूपये में बाजरा बिक रहा है। इतने दाम में क्यों घोषित किया है? ज्वार, बाजरा का दाम क्यों घोषित किया है? पाखण्ड बंद करो, जो सच है उसकी बात करो। क्यों पाखण्ड कर रहे हो, क्यों देश के लोगों को भ्रम में डाल रहे हो, क्यों ऐसी बुरी हालत कर रहे हो? आज पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। देवेगौड़ा जी ठीक कह रहे हैं कि किसानों के सवाल को हम लोग उठा नहीं पाते हैं। 27 लाख हैक्टेयर जमीन लोग मिट्टी के भाव ले गए। आपका लैण्ड एक्युजिशन बिल आना था, वह नहीं आया। पिछली बार कहा गया था लेकिन नहीं आया। अजीब बात है। एक से एक आप हर साल मिनिमम सपोर्ट प्राइज़ का पाखण्ड करते हो। एक तो वैसे ही किसान मारा जा रहा है और दुखी क्यों करते हो? वह प्लान करता है 1150 के लिए, फिर वह आत्महत्या करता है। हिंदुस्तान में जितना किसान मर रहा है दुनिया में ऐसा कहीं नहीं हो रहा है। हजारों वर्षों में हिंदुस्तान के किसानों पर बहुत विपत्तियां आई हैं लेकिन उसने आत्महत्या नहीं की। आज ऐसा दौर आया है कि वह आत्महत्या कर रहा है। आप जो बात कहते हो वह जमीन पर नहीं आती है। सभापति जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN : Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, Sharad Yadavji has raised a very important issue. I associate myself with this issue.

MR. CHAIRMAN: Okay, your name will be associated. Kindly send a slip on the Table.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Hon. Member, please take your seat. I will give you a chance.

Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **